an>

Title: Regarding constitution of Joint Parliamentary Committee on purchase of Rafale Fighter Jets.

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): Madam Speaker, there is a serious apprehension among the people in the country over the irregularities and alleged corruption in the acquisition of Rafale fighter jets. … (*Interruptions*) The decision has been arbitrary, against the security of the nation and resulted in loss of technology transfer to HAL, a public sector enterprise, and also massive loss to the national Exchequer. The matter needs to be investigated by a Joint Parliamentary Committee to fix accountability. … (*Interruptions*)

This is a very important matter. That is why, we are demanding a Joint Parliamentary Committee. You kindly allow that, in which all details will come out and every file will be checked by Parliament and not the Supreme Court. … (*Interruptions*) The Supreme Court has given its judgement based on a false letter from the Government. That is why, I am requesting you to allow us … (*Interruptions*) I request you. … (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: On the same issue, he wants to say something.

… (*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE : That is why, we are requesting for a JPC. Kindly allow JPC. Please ask the Government to give us a JPC. … (*Interruptions*)

श्री मोहम्मद सलीम (रायगंज): मैडम, जिस दिन से यह सत्र शुरू हुआ है, हम यह मांग कर रहे हैं कि चर्चा होनी चाहिए और सरकार भी कह रही है कि चर्चा होनी चाहिए।...(व्यवधान) यह भ्रष्टाचार का विषय है और जिस तरह से डिफेंस डील में राफेल के मामले में सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में ... * गवाही दी है।... (व्यवधान)

HON. SPEAKER: This will not go on record.

*...(Interruptions)...**

श्री मोहम्मद सलीम : ये कह रहे हैं कि सदन में चर्चा नहीं कर पाएंगे। यह सदन का अपमान है। हम चाहते हैं ...(व्यवधान)

ग्रामीण विकास मंत्री, पंचायती राज मंत्री, खान मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर): महोदया, मैं आपके माध्यम से विपक्ष से कहना चाहता हूं कि राफेल के मामले में या अन्य किसी भी जनता के विषय पर सरकार पूरी तरह से चर्चा के लिए तैयार है। ...(व्यवधान)

जहां तक विपक्ष का जे.पी.सी. का प्रश्न है, पूरा देश इस बात का साक्षी है कि सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्णय दिया है, उससे दूध का दूध और पानी का पानी हो गया है। पूरे देश में कोई शंका नहीं है, कोई शुबहा नहीं है। जे.पी.सी. की कोई जरूरत नहीं है। जो नोटिस दिए गए हैं, पक्ष की तरफ से भी और विपक्ष की तरफ से भी, उन पर चर्चा करने के लिए सरकार पूरी तरह से तैयार है।

माननीय अध्यक्ष : डॉ. संजय जायसवाल।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : राजनाथ जी, आपको बोलना है?

…(<u>व्यवधान</u>)

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : अध्यक्ष महोदया, मुझे यह निवेदन करना है कि यदि विपक्ष चाहता है कि राफेल के मामले में चर्चा होनी चाहिए, तो हम चर्चा के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।